केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 266 मंगलवार 21 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव में सोमवार सुबह एक 30 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के बरामदे में पंखे से लटका मिला। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान श्रीकांत उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि श्रीकांत रविवार रात खाना खाकर बरामदे में सोने गया था। सोमवार तड़के परिवार के सदस्यों ने उसे बिजली के केबल के सहारे पंखे से लटका हुआ पाया।

सूचना मिलने पर पटेल चौकी इंचार्ज राम अशोक यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की उपस्थिति में शव को नीचे उतरवाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट और अन्य साक्ष्य जुटाए। बताया गया है कि श्रीकांत के माता–पिता पाही अजगैवा जंगल क्षेत्र में रहते हैं, जबकि श्रीकांत अपने तीन भाइयों के साथ तिवारीपुर में रहता था। वह भाइयों में मंझला था और अविवाहित था।

कोतवाली प्रभारी मोती चंद ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ होगी कि यह आत्महत्या है या कोई अन्य कारण। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

लेखपाल पर रिश्वत मांगने, धमकी देने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती में एक लेखपाल के घूस मांगने व फर्जी मुकदमें में फंसानें की धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता ने अपने हल्का लेखपाल पर यह गंभीर आरोप लगाए है। शिकायतकर्ता ने लेखपाल पर रिश्वत मांगने और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता की पहचान अच्युतानंद के रूप में हुई है, जो हरैया तहसील के दौलतपुर गांव के रहने वाले है। अच्युतानंद के अनुसार, उनके घर का निर्माण लगभग 20–25 वर्ष पुराना है। लेखपाल इंद्र नारायण गौतम इस निर्माण को हटवाकर सड़क बनाना चाहते हैं। यह मामला दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है। पीड़ित ने बताया कि एसडीएम ने न्यायालय वाद के आधार पर निर्माण को प्रभावित न करने के निर्देश भी दिए थे।

पीड़ित के अनुसार 22 मार्च को लेखपाल इंद्र नारायण गौतम ने अच्युतानंद को फोन कर गांव के बाहर बुलाया। वहां उन्होंने 50 हजार रुपए की मांग की। पीड़ित का आरोप है कि पैसे न देने पर लेखपाल ने निर्माण ध्वस्त कराने और एससी–एसटी एक्ट के तहत फर्जी मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी।

अपर जिला सूचना अधिकारी को मातृ शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला सूचना कार्यालय में कार्यरत अपर जिला सूचना अधिकारी हितेन्द्र कुमार चौधरी की माता जी का 19 अप्रैल को स्वर्गवास हो गया है। इस दुखद घड़ी में कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रख कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। अश्वनी तिवारी, अब्दुल हक, ओम प्रकाश, श्रीमती विद्यावती व जगदीश प्रसाद उपस्थित रहें।

अमेरिका–ईरान वार्ता पर संशय, युद्ध की आशंका

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान (आभा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के साथ डील पाकिस्तान में साइन होगी। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि समझौता हो सकता है।

इससे पहले न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने बताया था कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत अमेरिकी डेलिगेशन बातचीत के लिए इस्लामाबाद रवाना हो गया है ।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत करने जा रहा है और उन्हें उम्मीद है कि इस बार कोई 'गेम' नहीं खेला जाएगा। इसी बीच पाकिस्तान और ईरान के बीच भी कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने ईरानी राजदूत रेजा अमीरी मोगद्दम से मुलाकात की, जिसमें अमेरिका के साथ संभावित वार्ता और क्षेत्रीय तनाव कम करने के मुद्दे पर चर्चा हुई।

होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान में दोनों देशों के बीच दूसरी दौर की बातचीत होगी या नहीं, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी सीजफायर के समझौते का उल्लंघन है और अमेरिका की धमकी भरी भाषा से हालात और खराब हो रहे हैं। इन परिस्थितियों में बातचीत की उम्मीद बहुत कम है।

वहीं अल जजीरा की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि बातचीत एक नहीं बल्कि कई दिनों तक चल सकती है। कोशिश यह है कि एक अस्थायी समझौता यानी एमओयू साइन हो जाए, जिससे सीजफायर आगे बढ़ सके और करीब 60 दिन का समय मिल जाए ताकि बड़ा शांति समझौता तैयार किया जा सके। लेकिन यह सब तभी संभव है जब ईरान इसमें हिस्सा ले।

ईरान ने इस्लामाबाद में होने वाले शांति वार्ता के दूसरे दौर में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरान ने अमेरिका की मांगों और नाकेबंदी को इस फैसले का मुख्य कारण बताया है।

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 6.5: की तेजी के साथ 96.27 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के पास शांति समझौते के लिए यह आखिरी मौका है। उन्होंने कहा कि वह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की तरह वही गलती नहीं दोहराएंगे।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के बीच फोन पर बातचीत हुई है। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और मौजूदा कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की।

जिला उपाध्यक्ष आनन्द दुबे के नेतृत्व में ब्लाक अध्यक्ष का शिक्षकों ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कुदरहा (बस्ती)। उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनंद दुबे के नेतृत्व में ब्लाक संसाधन केंद्र (बीआरसी) पर सैकडों शिक्षकों ने सोमवार को नवनियुक्त उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष ओम प्रकाश पांडेय का फूल मालाओं से स्वागत कर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन के विस्तार पर चर्चा करते हुए तीन लोगों को संरक्षक बनाया गया।

शिक्षकों को संबोधित करते हुए नवनियुक्त ब्लाक अध्यक्ष ओम प्रकाश पांडेय ने कहा कि संगठन ने जो दायित्व सौपा है उसका निष्ठा व लगन से निर्वहन करूगां। शिक्षको का आज जो प्यार व दुलार प्राप्त हुआ है, इसका सदैव ऋडी रहूंगा। इसके लिये शिक्षक हित में जो भी संघर्ष करना पडेगा सदैव तैयार हूं।

वरिष्ठ जिलाउपाध्यक्ष आनंद दुबे ने बताया कि शिक्षकों के हित के संगठन के जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ला का निर्णय सभी शिक्षक को स्वीकार है। इनके सानिध्य में शिक्षको को जो सम्मान प्राप्त हो चुका है वह कही संभव नही है। विना भेदभाव के सभी के लिये संगठन सदैव कदम में कदम मिला कर चलने को तैयार है।

शिक्षक डा अनुप सिंह, अखिलेश कुमार त्रिपाठी, डा सुनील यादव, ज्ञान उपाध्याय, अमित श्रीवास्तव, सुरेंद्र चौधरी, जिला संगठन मंत्री अमित पाण्डेय, संजय यादव व प्रदीप चौहान ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में ममता देवी, शिवाजी पांडेय, ज्ञान प्रताप, चंद्रशेखर, नीरज पांडेय, राजेश्वर शर्मा, शिवम यादव, विनय यादव, प्रेमसागर रमन, दीनानाथ, विवेकानंद, अरुण वर्मा, दुर्गेश सिंह, राकेश यादव, सुनील यादव, रजत शुक्ला, विवेक पांडेय, योगेंद्र, रोहित सिंह, अमित, अभिषेक दुबे, प्रदीप चौहान, संजय यादव, वसीम अहमद, सत्येंद्र मिश्र व राजेश यादव सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

जूस बेचने वाले बालक को पीटने वाला दारोगा लाइन हाजिर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।` लालगंज थानाक्षेत्र में एक दारोगा पर गन्ने का जूस बेचने वाले 14 वर्षीय किशोर को पीटने और अपनी बाइक साफ कराने का आरोप लगा है। किशोर के पिता ने इस मामले में लालगंज थाने में दारोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी है।

यह घटना रविवार शाम करीब 4.30 बजे बनकटी के बखरिया मोड़ पर हुई। कुढ़वा गांव निवासी गौतम राजभर यहां गन्ने के जूस की दुकान लगाते हैं। घटना के समय गौतम अपने 14 वर्षीय बेटे विकास कुमार को दुकान पर छोड़कर भोजन करने गए थे। इसी दौरान लालगंज थाने में तैनात एक उपनिरीक्षक ने अपनी बाइक दुकान के पास खड़ी की और कहीं चले गए। जब उपनिरीक्षक वापस लौटे, तो उन्होंने अपनी बाइक पर थूक लगा देखा। उन्होंने विकास से पूछा कि किसने थूका है। इसी बात पर विवाद शुरू हो गया और उपनिरीक्षक ने विकास को थप्पड़ मार दिया। आरोप है कि दारोगा ने किशोर से अपनी बाइक भी साफ करवाई।

घटना की जानकारी मिलने पर विकास के पिता गौतम राजभर लालगंज थाने पहुंचे। उन्होंने संबंधित दारोगा के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की। आरोपी दरोगा शैलेन्द्र सिंह को एसपी यशवीर सिंह ने लाइन हाजिर कर दिया है। साथ ही जांच भी शुरू करा दी है।

भारतीय परम्परा में ज्ञान, शक्ति, ममता का साक्षात स्वरूप है नारी– संजय शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान, अयोध्या तथा श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय गर्ल्स इंटर कॉलेज, बस्ती के संयुक्त तत्वाधान में "नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम" के अंतर्गत "सीता तत्व परिसंवाद एवं रामायण शक्ति तत्व उत्सव" विषयक संगोष्ठी एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन श्रीमती कृष्ण कुमारी पांडेय गर्ल्स इंटर कालेज में किया गया। कार्यक्रम भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं, आदर्श नारीत्व एवं मर्यादा के सर्वोच्च प्रतिमान माता सीता के जीवन मूल्यों पर केंद्रित रहा। भारतीय ज्ञान परंपरा तथा रामायण के विविध महिला पात्रों के दिव्य चरित्र पर वक्ताओं में अपने विचार रखे। कवियों ने देश के विदुषी महिलाओ के कृतित्व पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। विद्यालय की छात्राओं ने निबंध, चित्रकला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नारी शक्ति की महत्ता का बखान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सहायक शिक्षा निदेशक बस्ती मंडल संजय कुमार शुक्ला, बीएसए अनूप कुमार तिवारी, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अनूप कुशवाहा, समन्वयक डॉ सुरभि सिंह, राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने मां सरस्वती जी के प्रतिमा का समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ सुरभि सिंह एवं डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न अंग वस्त्र एवं रामायण भेंट का स्वागत किया। इस अवसर पर सहायक शिक्षा निदेशक संजय शुक्ल ने कहा कि अयोध्या के महात्म्य में माता सीता ने जो मर्यादा की स्थापना की वह अमर गाथा बन गई। उन्होंने कहा कि महिला शब्द में ममता, हिम्मत और लज्जा तीनों चीजें शामिल हैं जो उन्हें दुनिया में सबसे अधिक महत्वपूर्ण बनाती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत में देश की महिलाओं ने जो स्थान हासिल किया है वह विश्व परिदृश्य में अजर अमर है। बी एस ए अनूप तिवारी ने रामायण काल में महिलाओं के त्याग, बलिदान और समर्पण को अभूतपूर्व बताया। सह जिला विद्यालय निरीक्षक अनूप कुशवाहा ने कहा कि नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली महिलाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम में आयोजित विचार संगोष्ठी में महिला पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि रामायण की महिला पात्रों ने जो आदर्श स्थापित किया है वह अतुलनीय है। सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर, रामबाग की प्राचार्य प्रियंका सिंह एवं आरएलएस सिटी इंटरनेशनल स्कूल की निदेशक प्रीता खंडेलवाल, पांडेय गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्राचार्य डॉ सुरभि सिंह ने रामायण के विभिन्न महिला पात्रोंकृमाता सीता, उर्मिला, कौशल्या एवं शबरी के जीवन, आदर्श, त्याग, धैर्य एवं नारी शक्ति के विविध आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में नारी के योगदान हमेशा अतुलनीय रहा है।

कार्यक्रम में "रामायण शक्ति तत्व उत्सव" के अंतर्गत आयोजित कवि सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कवि विनोद उपाध्याय, शिवा त्रिपाठी, समीर तिवारी, कात्यायनी उपाध्याय ने अपनी रचनाओं से लोगो को भाव विभोर कर दिया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न आकर्षक एवं भावपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे संभाषण प्रतियोगिता, निबंध , चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और लगभग डेढ़ सौ बालिकाओं को विभिन्न पुरस्कार, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने सभी को पुरस्कार वितरित करते हुए बच्चों के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ० सर्वेष्ट मिश्र एवं संयोजिका डॉ० सुरभि सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक वागीश पाठक, प्रधानाचार्य पीके उपाध्याय, अरविंद सिंह, कुसुमलता मिश्रा, अनीता देवी पाण्डेय, दीपमाला पाण्डेय, अनीता सिंह, भारती तिवारी, संजय कुमार पाण्डेय, पिंकी सिंह, सीमा यादव, प्रवेश कुमार एवं परशुराम तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थिति रही।

जापान में 7.5 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी

टोक्यो (आभा)। जापान में सोमवार दोपहर 1.23 बजे (भारतीय समयानुसार) 7.5 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। भूकंप का केंद्र तट से करीब 100 किमी दूर समुद्र में 10 किमी गहराई पर था। जापानी मौसम एजेंसी ने इवाते, होक्काइडो और आओमोरी के तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की है। भूकंप के बाद इवाते पर करीब 3 फीट, मियाको और हाचिनोहे में डेढ़ फीट तक लहरें दर्ज की गईं। इन इलाकों में पानी का स्तर बढ़ रहा है।

सुरक्षा के मद्देनजर बुलेट ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं। प्रशासन ने तटीय इलाकों को खाली कराना शुरू कर दिया है और लोगों को समुद्र तट व नदियों से दूर रहने तथा तुरंत ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी है। राहत एजेंसियां लगातार हालात पर नजर रख रही हैं। होक्काइडो, आओमोरी, इवाते, मियागी और फुकुशिमा प्रान्तों के 1. 7 लाख निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। जापान में भूकंप के कारण कई इमारतें हिलती हुई दिखाई दीं।प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। टोक्यो में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ताकाइची ने कहा कि लोग बिना देरी किए ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं, क्योंकि हालात तेजी से बदल सकते हैं। भूकंप के बाद सरकार ने आपात टास्क फोर्स का गठन किया है और प्रभावित इलाकों में हालात की निगरानी की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि जान–माल के नुकसान की जानकारी जुटाई जा रही है।

बस खाई में गिरी, 21 की मौत, 29 घायल

उधमपुर (आभा)। जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले से सोमवार को दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। रामनगर क्षेत्र में एक तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे 21 यात्रियों की मौत हो गई और 29 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा इतना भीषण था कि बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह उखड़ गया और वाहन मलबे में तब्दील हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो–रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर क्षेत्र में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा। पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बस में करीब 50 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। उधमपुर–रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, "रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो–रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।"

देवेन्द्र वर्मा बने प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला संयोजक

कार्यकारिणी गठन के लिये सह संयोजक घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (सम्बद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ) के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार तिवारी की संस्तुति पर देवेन्द्र कुमार वर्मा को बस्ती जनपद का जिला संयोजक मनोनीत किया गया है।

नवनियुक्त जिला संयोजक देवेन्द्र कुमार वर्मा वर्तमान में परशुरामपुर विकास क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय सेवराडुहवा में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। वे लंबे समय से शिक्षक हितों के लिए संघर्षरत हैं और शिक्षकों का कहना है कि उनकी नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी।

देवेन्द्र कुमार वर्मा को जिला संयोजक बनाये जाने पर जनपद के अनेक पदाधिकारियों शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। मनोनयन के बाद श्री वर्मा ने कहा कि, 'शिक्षक संघ द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा और शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर रहूंगा।

जिला संयोजक के सहयोग और जनपद के कार्यकारिणी गठन के लिए महेश कुमार, इन्द्रसेन मिश्रा, विजय प्रकाश चौधरी, चंद्रभान चौरसिया, राम भरत वर्मा, त्रिलोकी नाथ, राजेश कुमार चौधरी,गंगा प्रसाद,संजीव कुमार सिंह,विजय कन्नौजिया,अवलेन्द्र सिंह पटेल,सत्येंद्र कुमार यादव, अभिषेक कुमार जायसवाल को सह–संयोजक मनोनीत किया गया है।

मनोनयन पर सत्य प्रकाश पाठक, ,शोभाराम वर्मा, गिरिजा शंकर चौधरी, राम पति कन्नौजिया, विनय कुमार करुण,अनूप कुमार सौरभ पद्माकर,रमेश चंद्र चौधरी, कृष्ण कुमार चौधरी,अजय प्रताप चौधरी, कुलदीप मौर्य, पंच बहादुर यादव, अरविंद,पाण्डेय,उपेन्द्र पाण्डेय, महादेव, विवेकानंद वर्मा सहित जिले के अनेक शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

राजेश कुमार अध्यक्ष, दुर्गेश कुमार गुप्ता मंत्री निर्वाचित

–अधिवेशन में गूंजा पुरानी पेंशन बहाली, आठवे वेतन आयोग, कोराना काल के भत्ते का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को सिंचाई कालोनी खौरहवा में उत्तर प्रदेश मिनीस्ट्रीरियल एसोसिएशन ऑफ सर्किल आफिसेज सिंचाई विभाग का द्विवार्षिक अधिवेशन और चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंत्री तौलू प्रसाद की देख रेख में सर्वसम्मत से राजेश कुमार अध्यक्ष, धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राम बाबूराव उपाध्यक्ष, दुर्गेश कुमार गुप्ता मंत्री, अरविन्द कुमार कोषाध्यक्ष, नागेन्द्र कुमार प्रचार मंत्री, छट्ठू प्रसाद संरक्षक निर्वाचित घोषित किये गये।

द्विवार्षिक अधिवेशन को चुनाव से पूर्व सम्बोधित करते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने कहा कि कर्मचारियों की एकजुटता से ही मांगे पूरी होंगी। सरकार पूरी तरह से हठवादिता पर उतर आयी है। इसका करारा जबाब देना होगा।

पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रामअधार पाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल किये जाने और आठवे वेतन आयोग को शीघ्र लागू किये जाने को लेकर हमें निरन्तर संघर्ष तेज रखना होगा। उन्होने कोरोना काल के रोके गये डेढ वर्ष के मंहगाई भत्ते का भुगतान तत्काल कराये जाने का मुद्दा उठाया। अध्यक्षता करते हुये उमेश मणि उपाध्याय ने एकजुट होकर संगठन की मजबूती पर जोर दिया। नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु शीघ्र अधिकारियों से वार्ता के साथ ही प्रदेश नेतृत्व से लिपिक संवर्ग के वेतन विसंगति की समस्या का समाधान कराये जाने का आग्रह किया जायेगा।

द्विवार्षिक अधिवेशन में मुख्य रूप से अम्बिका प्रसाद, अशोक कुमार, राजेश कुमार, प्रेमचन्द्र, मनोज कुमार दूबे, पंकज कुमार, राजेन्द्र यादव, अजीत कुमार श्रीवास्तव, प्रेम बिहारी गौड़, श्रीमती मधुलिका, विन्दू, निर्मला, उर्मिला, अरविन्द कुमार, नागेन्द्र कुमार, मो. शाहिद खान के साथ ही विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 अप्रैल 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

फिर से सुलगता मणिपुर

मणिपुर में कुछ दिनों तक हालात थोड़े सामान्य रहने के बाद हिंसा की घटनाएं फिर से अपने पांव पसारने लगी हैं। सरकार का दावा है कि इसके पीछे असामाजिक तत्त्वों की भूमिका ज्यादा है, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि राज्य के लोगों में असंतोष की वजह से विरोध प्रदर्शनों का दौर लौटने लगा है, जो सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक है। इंफाल पश्चिम जिले में बीते शुक्रवार को हजारों लोगों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए मशाल रैली निकाली और इस दौरान सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी हिंसक झड़पें भी हुईं।

स्थानीय लोग हाल में एक घर पर बम से हुए हमले में दो बच्चों की मौत की घटना का विरोध कर रहे थे। सवाल है कि क्या सुरक्षा एजेंसियां राज्य में स्थिति की संवेदनशीलता को जानते हुए भी अपना काम ठीक से नहीं कर रही हैं? अगर ऐसा नहीं है, तो फिर आम लोगों में शासन–प्रशासन के खिलाफ आक्रोश क्यों पैदा हो रहा है! गौरतलब है कि मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सात अप्रैल को एक घर पर बम से हमला किया गया था, जिसमें दो मासूम बच्चों की जान चली गई थी। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई थी। लोग इन बच्चों की हत्या के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी जांच–पड़ताल की प्रक्रिया को तेज करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करें।

यह विचित्र है कि जब सरकार खुद इस बात को स्वीकार कर रही है कि राज्य के कई हिस्सों में हालात अब भी संवेदनशील बने हुए हैं, तो फिर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से किसी भी अप्रिय घटना के बाद संवेदनशीलता क्यों नजर नहीं आती! राज्य में हिंसा की बढ़ती घटनाओं से स्पष्ट है कि हालात राख के नीचे छिपी चिंगारी जैसे हैं, जो मौका मिलते ही आग का रूप ले लेती है। इसलिए सरकार और सुरक्षाबलों को ईमानदार, खुले एवं निष्पक्ष जन संवाद को प्राथमिकता देनी होगी, ताकि कानून पर लोगों का भरोसा कायम रहे।

सियासत में उलझा महिला आरक्षण

इसमें कोई दोराय नहीं कि विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए सरकार और सभी विपक्षी दलों को एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करना चाहिए। मगर यही मुद्दा जब राजनीतिक लाभ उठाने का जरिया बनने लगता है, तब इस पर सवाल उठने लगते हैं। बीते हफ्ते सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संशोधन विधेयक पेश किया, लेकिन जरूरी समर्थन न मिल पाने की वजह से वह लोकसभा में गिर गया।

गौरतलब है कि किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो–तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। हालांकि इस बार परिसीमन विधेयक में संशोधन के लिए जिस तरह महिला आरक्षण का मसला भी जुड़ा हुआ था, उसमें इस मुद्दे पर दो–तिहाई सांसदों को अपने पक्ष में खड़ा कर पाना सरकार के लिए मुश्किल था। यानी पहले ही यह माना जा रहा था कि लोकसभा में संशोधन विधेयक पारित कराना मुमकिन नहीं हो पाएगा। इसके बावजूद यह विचित्र है कि सरकार ने इस पर जोर–आजमाइश करने की कोशिश की।

दरअसल, इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, 2026 से पहले की जनगणना के आधार पर राज्यों में सीटों के परिसीमन की इजाजत दी जाएगी और लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ा कर 850 की जाएगी। मगर चूंकि परिसीमन के साथ उलझे इस मुद्दे पर सरकार को जरूरी संख्या बल का समर्थन नहीं मिल सका, इसलिए अब भाजपा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान यह आरोप लगाने की कोशिश कर सकती है कि विपक्षी पार्टियां महिलाओं को भागीदारी देने का समर्थन नहीं करतीं। सवाल है कि महिलाओं की विधायिका में आरक्षण से संबंधित जो विधेयक वर्ष 2023 में ही पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका था, उसे फिर से तब क्यों लाया गया, जब कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। यह बेवजह नहीं है कि इस संशोधन विधेयक को लाए जाने के समय को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

ऐसा लगता है कि इस विधेयक की जटिलता और उसके पारित होने के सामने खड़ी चुनौतियों की तस्वीर चूंकि लगभग साफ थी, इसलिए इसे राज्यों में जारी चुनावी प्रक्रिया के बीच महिलाओं का समर्थन हासिल करने वाले एक अहम मुद्दे के रूप में भी देखा गया। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन में भी यह साफ दिखा, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े इस संशोधन विधेयक के पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार बताया।

मगर विधेयक में जिस तरह सरकार ने आरक्षण व्यवस्था को नए परिसीमन और लोकसभा के विस्तार के ढांचे से जोड़ कर पेश किया था, उसमें वह किस तरह के समर्थन की उम्मीद कर रही थी। महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ–साथ खासतौर पर परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों की जैसी प्रतिक्रिया थी, उसमें विपक्षी दलों के समर्थन या विरोध की तस्वीर एक तरह से पहले से साफ थी। अफसोस की बात है कि जहां विधायिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की कवायद पर सबकी सहमति होनी चाहिए थी, वहीं यह सवालों के घेरे में उलझ कर रह गई। जबकि जरूरत इस बात की है कि इस मामले को राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय एक सर्वसम्मत रास्ता निकालने की कोशिश हो।

राष्ट्रीय लक्ष्यों को मिले नागरिक संबल

–सुरेश सेठ–

राष्ट्र के उत्थान के लिये जो बड़े बदलाव के प्रयास होते हैं, यदि वे वाकई परिवर्तन के वाहक हों, तो जनता का सकारात्मक संबल मिलना चाहिए। हमें भविष्य की चुनौतियों के मुकाबले और राष्ट्रीय एकता के लिये कुछ त्याग भी करने चाहिए। राजग सरकार का दावा है कि उसने देश में हमेशा बदलाव की राजनीति की है। भाजपा ने 1994 में राजनीति के हर चरण पर महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था। अब मौजूदा सरकार ने संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर राजनीति में महिला आरक्षण लागू करने का प्रयास किया है। सरकार की मंशा थी कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिल जाए। इससे पहले जब राजग सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35–ए का 2019 में उन्मूलन किया था तो कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ। कश्मीर से लद्दाख को अलग करके उसे पुनरू परिसीमन का प्रयास किया। वैसे देश की कुरीतियों को हटाना भी अगर बदलाव कहें तो जब सरकार ने तीन तलाक को गैर–कानूनी घोषित कर दिया था तो इसे भी एक बदलाव कहा जा सकता है।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि देश में बदलाव का अभियान रुकेगा नहीं। हमारे बदलाव के एजेंडे में अभी भी एक बड़ी बात अधूरी है, एक बड़ा लक्ष्य अभी पूरा करना है, वह यह है कि अलग–अलग धर्मों, जातियों और वर्णों वाले देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाए। इस प्रायद्वीप जैसे बड़े देश में कभी केन्द्र और कभी राज्यों के चुनाव करते समय, शक्ति और पैसा बर्बाद करने की बजाय एक राष्ट्र और एक चुनाव की धारणा को साकार किया जाए। निस्संदेह, समान नागरिक संहिता लागू करने में धार्मिक कट्टरता या व्यावहारिक कठिनाइयां भी सामने आ रही हैं लेकिन इन्हीं पर आज विशेष चिंतन की जरूरत है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये आज इसकी जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंसा और कट्टरता हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं होनी चाहिए। सरकार का मिशन हो सेवा और लक्ष्य हो विकास। असल में लक्ष्य यह है कि देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनना है तो इसमें एक राष्ट्र एक चुनाव और समान नागरिक संहिता लागू करके कुछ तरक्की की जा सकती है। थोड़ा इन लक्ष्यों पर चिंतन करें, एक राष्ट्र एक चुनाव प्रणाली में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करवाने का प्रस्ताव है। आलोचक कहते हैं कि यह व्यावहारिक नहीं क्योंकि इस देश में हर पांच वर्ष बाद चुनाव नहीं होते। दल बदलकर सत्ता प्राप्त करने की इस राजनीति में सरकारें टूटती हैं, बनती–बिगड़ती हैं। तब मध्यावधि चुनाव भी करवाने पड़ जाते हैं। ऐसी वास्तविकता में एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावना कैसे फलीभूत होगी?

इसका जवाब यह दिया जाता है कि जहां सरकार टूटे, वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाए और चुनाव एक ही समय पर करवाए जाएं क्योंकि इससे देश को भारी चुनावी खर्च से मुक्ति मिल जाएगी। यह भी सत्य है कि जब–जब जहां चुनाव घोषणाएं होती हैं, सत्तापक्षी–विपक्षी दल आरोपों की राजनीति करते हुए एक दूसरे से भिड़ जाते हैं। अगर एक देश एक चुनाव हो जाएगा तो यह पांच साल में केवल एक बार होगा। हमारा विचार यह है कि यह प्रस्ताव देश के हित में अवश्य है लेकिन राजनीतिक दलों को अपनी सत्ता मोह की राजनीति की जगह जनकल्याण पक्षीय राजनीति अपनानी पड़ेगी।

समान नागरिक संहिता जिसे यूसीसी भी कहते हैं, को लागू करने का विचार बहुत देर से भाजपा के एजेंडे में है। गौर करें कि इस देश में विभिन्न जातियां और विभिन्न धर्म हैं, इसलिए विवाह से लेकर बच्चा गोद लेने तक के अधिकतर कानून एक समान बना दिए जाएं। बेशक हमने अपने संविधान को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर रखा है, इसलिए आदर्श स्थिति तो यही है। हमारा देश जाति और धर्म में अस्मिताओं को लेकर बंटा हुआ है। हम कानून के तरीके से समान कानून के साथ एक जाति रहित समाज की कल्पना कर रहे हैं।

बेशक हम पाते हैं कि ब्रिटिश काल के कई पुराने कानून खत्म हुए हैं। सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए भी दस फीसदी आरक्षण मिल गया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी हो गया है। देश बदला है, इसे और बदलना चाहिए। सपना राजनीतिज्ञ देखते हैं, लक्ष्य नेतृत्व जारी करता है और आम आदमी जागृति प्राप्त करके इसका पालन करते हुए अपने समाज को एक आदर्श समाज बना सकता है। लेकिन व्यवहार में हर आदमी का संकीर्ण हित उसके सामने सर्वोपरि हो जाता है। वह भूल जाता है कि हजारों लोगों ने डेढ़ सदी तक अंग्रेजों के साथ संघर्ष करके इस देश को आजादी दिलवाई है। अब इसे भौतिकवाद और निजी स्वार्थपरता के अंधेरों में गुम नहीं कर देना चाहिए। समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव मौजूदा स्थिति से उठकर एक आदर्श समाज बनाने का सपना है। इस सपने को साकार करने में अभी तक बहुत कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन भाजपा सरकार ने अपने दल की वर्षगांठ पर अपनी प्रतिबद्धता फिर इन सपनों को साकार करने के लिए जताई है। इसका अच्छे होने में तो कोई संदेह नहीं। हां, व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना ही पड़ेगा।

–लेखक साहित्यकार हैं।

वजूद के लिये संघर्षरत सीपीआईएम

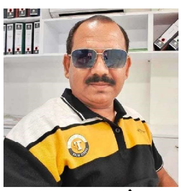

–मजहर हुसैन–

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। मुख्य मुकाबला इस बार भी सत्ताधारी पार्टी टीएमसी और बीजेपी के बीच है। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य की 57 सीटों के नतीजे 8 हजार या उससे कम वोटों से आए थे। इसीलिए इस बार के विधानसभा चुनाव में यही 57 सीटें बीजेपी और टीएमसी दोनों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। जिन 57 सीटों पर पिछले चुनाव में कम वोटों से नतीजे आए थे, वहां पर बीजेपी और टीएमसी के बीच मामूली वोट बैंक का बदलाव ही नतीजे बदलने में अहम हो सकता है। यह अहम इसलिए भी है क्योंकि जितने भी ओपिनियन पोल्स आए हैं, सभी संकेत दे रहे हैं, कि दोनों ही पार्टियों के बीच वोट प्रतिशत का अंतर काफी कम है।

खास बात यह है कि इन सभी सीटों पर जीत का औसत अंतर लगभग 8,000 वोटों का था। इनमें से 19 सीटों पर 3,000 से भी कम वोटों का अंतर रहा। 57 सीटों में से टीएमसी ने 29 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा को 28 सीटें मिलीं। सबसे करीबी मुकाबलों में बीजेपी ने 12 और ज्डव ने सात सीटें जीतीं थीं। 2021 के चुनावों के परिणामों के संदर्भ में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। उस चुनाव में टीएमसी ने 213 और भाजपा ने 77 सीटें जीती थीं, जबकि इंडियन सेकुलर फ्रंट को केवल एक सीट मिली थी। उस चुनाव में लेफ्ट और कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था। इस बार चुनाव में कड़ी टक्कर होने की आशंका को देखते हुए ये करीबी मुकाबले वाले निर्वाचन क्षेत्र निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल काफी गरम हो चुका है। जहां एक ओर तृणमूल कांग्रेस अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए जी तोड़ कोशिश कर रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी मजबूत चुनौती पेश कर रही है और इस चुनाव में उसने सारे पत्ते खोल कर रख दिए। इस बीच 'सीपीआईएम' अपने राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने की जंग लड़ रही है।

2011 में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने के बाद 'सीपीआईएम' की पकड़ राज्य में लगातार कमजोर हुई। कैडर बेस घटा है, संगठन ढीला पड़ा और वोट शेयर में भारी गिरावट आई। 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। हालांकि, हाल के कुछ स्थानीय चुनावों और पंचायत चुनावों में पार्टी के वोट प्रतिशत में मामूली बढ़ोतरी देखी गई है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पिछले एक दशक में 'सीपीआईएम' की पकड़ राज्य में कमजोर हुई है, 2011 के बाद सत्ता से बाहर होने के बाद पार्टी का कैडर बेस और जनाधार दोनों प्रभावित हुए। हालांकि, हाल के चुनावों में पार्टी के वोट प्रतिशत में मामूली बढ़ोतरी देखी गई है, जो इसके लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

'सीपीआईएम' इस बार लेफ्ट फ्रंट के बैनर तले चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने युवा छात्र नेताओं, जमीनी कार्यकर्ताओं और नए चेहरों को टिकट देकर संगठन में नई ऊर्जा भरने की कोशिश की है।

पार्टी का मुख्य फोकस तीन मुद्दों पर है–

बेरोजगारी और युवाओं को रोजगार, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, किसानों और मजदूरों के हित ये मुद्दे पारंपरिक रूप से 'सीपीआईएम' के मजबूत आधार रहे हैं, खासकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। दो ध्रुवीय राजनीति सबसे बड़ी चुनौती है।

राज्य में तृणमूल बनाम बीजेपी की दो ध्रुवीय लड़ाई 'सीपीआईएम' के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गई है। ध्रुवीकरण के कारण तीसरे विकल्प के रूप में खुद को स्थापित करना बेहद मुश्किल हो गया है। कई वोटर अब "वोट वेस्ट न हो" की सोच के साथ या तो तृणमूल या भाजपा को वोट देने को तैयार दिख रहे हैं।

"2026 का चुनाव 'सीपीआईएम' के लिए अस्तित्व की परीक्षा है। अगर पार्टी इस बार सीटों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करती है, तो यह उसके पुनरुत्थान की शुरुआत हो सकती है। लेकिन अगर वोट शेयर और सीटें दोनों गिरती हैं, तो पार्टी का भविष्य और भी चुनौतीपूर्ण हो जाएगा।"

ग्रामीण क्षेत्रों में, खासकर किसान, मजदूर और आदिवासी बहुल इलाकों में 'सीपीआईएम' के प्रति अब भी कुछ हद तक भरोसा बना हुआ है। लेकिन शहरी और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में वोटर मुख्य रूप से तृणमूल और भाजपा के बीच बंटे हुए दिख रहे हैं।

2026 का बंगाल चुनाव 'सीपीआईएम' के लिए सत्ता की लड़ाई से ज्यादा अस्तित्व और पुनर्निर्माण की लड़ाई है। पार्टी के सामने चुनौतियां बड़ी हैं।

इस चुनाव में वाम मोर्चा सीपीआईएम 294 में से प्रमुख सीटों पर चुनाव लड़ रहा है, विमान बोस और मोहम्मद सलीम के नेतृत्व में पार्टी 23 और 29 अप्रैल को होने वाले दो चरणों के मतदान के लिए 28 महिलाओं सहित युवा और पुराने चेहरों के मिश्रण के साथ उतरी है।

संगठनात्मक ढीलापन, दो ध्रुवीय राजनीति और संसाधनों की कमी।

फिर भी, अगर युवा नेतृत्व, जमीनी मुद्दों पर फोकस और सही रणनीति के साथ पार्टी आगे बढ़ती है, तो 2026 उसके लिए वापसी का शुरुआती बिंदु साबित हो सकता है।

चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच सम्राट

– योगेश कुमार गोयल–

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव–कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों–रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे।

चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा।

बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है। क्या वे बिहार को 'बीमारू' छवि से पूर्णतः मुक्त कर 'विकसित बिहार' के संकल्प को सिद्ध कर पाएंगे? यह भविष्य के गर्भ में है मगर फिलहाल बिहार की सत्ता का यह नया 'सम्राट' चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा है। सम्राट चौधरी के पास अवसर भी है और चुनौती भी, अब यह उनके नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वे इस अवसर को इतिहास में कैसे दर्ज कराते हैं।

कार्यालय ग्राम बांसखोर कला वि.खं. रूधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **बांसखोर कला** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **बांसखोर कला** के निविदा बाक्स में दिनांक 28–04–2026 तक अपरान्ह 11:30 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 21–04–2026 से दिनांक 27–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **बांसखोर कला** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **बांसखोर कला** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बांसखोर कला** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(कैसर जहां) — प्रधान — ग्राम पंचायत–**बांसखोर कला**
(तीर्थ प्रसाद) — सचिव — ग्राम पंचायत–**बांसखोर कला**

कार्यालय ग्राम चांद चौरा वि.खं. रूधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **चांद चौरा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **चांद चौरा** के निविदा बाक्स में दिनांक 29–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 21–04–2026 से दिनांक 28–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **चांद चौरा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **चांद चौरा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **चांद चौरा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(विजय लक्ष्मी) — प्रधान — ग्राम पंचायत–**चांद चौरा**
(तीर्थ प्रसाद) — सचिव — ग्राम पंचायत–**चांद चौरा**

अयोध्या धाम में मनाया गया भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव

सनातन धर्मावलंबियों को परशुराम जी के आदर्शों को अपनाना चाहिए –आचार्य श्रवण कुमार मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या धाम। वैशाख मास के अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर दुर्वासा आश्रम में भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव इस वर्ष भी अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और वैदिक विधि–विधान के साथ धूमधाम से मनाया गया। रविवार, 19 अप्रैल की निशामुख बेला में आयोजित इस दिव्य उत्सव में दूर–दूर से आए श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।आश्रम में विगत ग्यारह वर्षों से परब्रह्म स्वरूप भगवान परशुराम की उपस्थिति को लेकर विशेष आस्था बनी हुई है। यहां प्रतिदिन शास्त्रोक्त विधि से उनका अर्चन–वंदन किया जाता है, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहता है। उत्सव के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार, पूजन–अर्चन और भजन–कीर्तन से पूरा परिसर गुंजायमान रहा।आचार्य प्रवर श्रवण कुमार मिश्र ने अपने प्रवचन में भगवान परशुराम के दिव्य स्वरूप और उनके धर्मरक्षक स्वरूप का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि परशुराम तीनों रामों में ज्येष्ठ और श्रेष्ठ हैं तथा उनकी उपासना से व्यक्ति के जीवन में लौकिक उन्नति के साथ–साथ आध्यात्मिक उत्कर्ष भी होता है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि परशुराम ने धर्म की रक्षा हेतु भगवान राम को अपना धनुष, बाण और तेज प्रदान किया था तथा ऋषियों के कल्याण के लिए समुद्र को पीछे हटने के लिए विवश कर दिया था।आचार्य ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम की साधना व्यक्ति को भोग–विलास से दूर कर धर्म के पथ पर अग्रसर करती है। उन्होंने यह भी चेताया कि केवल भोगवादी प्रवृत्तियों की उपासना से समाज में अधःपतन की स्थिति उत्पन्न होती है। अतः सनातन धर्मावलंबियों को परशुराम जी के आदर्शों को अपनाते हुए उनके दर्शन और उपासना का लाभ उठाना चाहिए।उत्सव में समाज और राष्ट्र के कल्याण की कामना करते हुए यह प्रार्थना भी की गई कि भगवान परशुराम अन्यायकारी और उद्दंड शासकों से समाज की रक्षा करें तथा धर्म और संस्कृति को सुरक्षित बनाए रखें। उनके फरसे को ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक बताते हुए कहा गया कि यह अज्ञान रूपी अंधकार का नाश करने वाला है।पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी रही, जिससे आश्रम परिसर में आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि समाज को धर्म, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देता रहा।

घरेलू विवाद में बड़े भाई ने छोटे को मार डाला

संवाददाता–महराजगंज। जिले के घुघली थाना क्षेत्र के ग्राम चौमुखा नौका टोला में सोमवार को एक मामूली घरेलू विवाद ने दिल दहला देने वाली वारदात का रूप ले लिया। बड़े भाई ने अपने ही सगे छोटे नाबालिग भाई पर कैंची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घुघली सीएचसी से गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद सनसनी फैल गई है। गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि किसी पारिवारिक विवाद को लेकर दोनों नाबालिग भाइयों में जखीरा बाजार में विवाद हो गया। बड़े भाई की उम्र 16 और छोटे भाई की उम्र 15 वर्ष बताई जा रही है। बात इतनी बिगड़ गई कि गुस्से में आकर बड़े भाई ने छोटे भाई के सर व हाथ पर कैंची से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। लहुलूहान हालत में घायल किशोर मौके पर ही गिरकर तड़पने लगा। घटना के बाद परिवार और आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही घुघली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल किशोर को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघली ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

सूरज के हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर परिजनों का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। रामपुर खुरहुरिया निवासी सूरज पुत्र मधु राजभर की संदिग्ध मौत के मामले में परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश सोमवार को सड़क पर फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने शव को रखकर भटनी– साहोपार बायपास स्थित अंडरपास को जाम कर दिया, जिससे करीब डेढ़ घंटे तक आवागमन बाधित रहा।बताते चलें कि रविवार की सुबह जेडी पब्लिक स्कूल के पीछे बाग में पेड़ से लटकता हुआ सूरज का शव मिला था। शव मिलने की सूचना पर पहुंचे परिजन बदहवास हो गए थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था, जिसमें फंदे से लटकने की पुष्टि हुई थी।

संत–महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि, सेवा और साधना के आदर्शों को अपनाने का लिया संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीरामनगर में स्थित सिद्ध पीठ श्री श्यामासदन मंदिर, रामघाट के साकेतवासी महंत संतगोपाल दास महाराज की पांचवीं पुण्यतिथि श्रद्धा, भक्ति और स्मृति के भावों के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संत–महंतों, धर्माचार्यों एवं श्रद्धालुओं ने एकत्रित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके महान कृतित्व एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व का स्मरण किया।पुण्यतिथि समारोह में बड़ी संख्या में संत, महंत और भक्तजन उपस्थित रहे। सभी ने गुरुदेव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर विनम्र नमन किया। श्यामासदन मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर श्री श्री 108 बालयोगी महंत श्रीधर दास ने बताया कि उनके गुरुदेव भगवान सेवा को ही भक्ति का सर्वोच्च साधन मानते थे, और वे स्वयं भी उन्हीं के पदचिह्नों पर चलने का प्रयास कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि महंत संतगोपाल दास महाराज एक उच्च कोटि के संत, गौसेवक और भजनानंदी महापुरुष थे, जिनका संपूर्ण जीवन साधना, सेवा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण रहा। उनका स्वभाव अत्यंत सरल, सहज और करुणामय था, जो प्रथम दर्शन में ही प्रत्येक व्यक्ति के हृदय को स्पर्श कर लेता था। गुरुदेव ने आश्रम के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप आज यहां ठाकुरजी की सेवा के साथ–साथ गौसेवा, संतसेवा, विद्यार्थियों एवं आगंतुकों की सेवा निरंतर सुचारु रूप से संचालित हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि आश्रम में सभी धार्मिक उत्सव, पर्व और समैया परंपरागत विधि से मनाए जाते हैं। मठ में अन्नक्षेत्र सहित विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से जनकल्याण के कार्य सतत रूप से चल रहे हैं। महंत संतगोपाल दास महाराज ने सेवा को ही अपना धर्म मानते हुए जीवन पर्यंत लोकमंगल के कार्यों में स्वयं को समर्पित रखा।समारोह के अंत में श्रीधर दास ने उपस्थित संत–महंतों का विधिवत स्वागत–सत्कार किया और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महंत कमलनयन दास, महंत रामानंद दास, अधिकारी राजकुमार दास, महंत अवधकिशोर शरण, महंत रामलोचन शरण, महंत राममिलन दास, महंत राजन बाबा, महंत प्रियाशरण, महंत कमलादास, महंत गिरीश दास, महंत शशिकांत दास, महंत मनीष दास, स्वामी छविराम दास, महंत उद्धव शरण, महंत जनार्दन दास, महंत भूषण दास, महंत रामकृष्ण दास, महंत रामअवतार दास, नागा रामलखन दास एवं चंद्रहास दीक्षित सहित अनेक संत–महंत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।पूरा वातावरण श्रद्धा, भक्ति और गुरु–स्मरण की भावनाओं से ओत–प्रोत रहा, जहां प्रत्येक श्रद्धालु ने गुरुदेव के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यालय ग्राम पितूड़ा वि.खं. परसरामपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **पितूड़ा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **पितूड़ा** के निविदा बाक्स में दिनांक 27–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 21–04–2026 से दिनांक 26–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **पितूड़ा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **पितूड़ा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **पितूड़ा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(सरिता यादव) — प्रधान — ग्राम पंचायत–पितूड़ा
(महेश चन्द्र पाण्डेय) — सचिव — ग्राम पंचायत–पितूड़ा

कार्यालय ग्राम जिगिना वि.खं. रूधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **जिगिना** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **जिगिना** के निविदा बाक्स में दिनांक 28–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 21–04–2026 से दिनांक 27–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **जिगिना** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **जिगिना** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **जिगिना** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(रामकेश) — प्रधान — ग्राम पंचायत–जिगिना
(तीर्थ प्रसाद) — सचिव — ग्राम पंचायत–जिगिना

कार्यालय ग्राम गोठवा वि.खं. रूधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **गोठवा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **गोठवा** के निविदा बाक्स में दिनांक 29–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 21–04–2026 से दिनांक 28–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **गोठवा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **गोठवा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **गोठवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(सुशीला देवी) — प्रधान — ग्राम पंचायत–गोठवा
(तीर्थ प्रसाद) — सचिव — ग्राम पंचायत–गोठवा

सड़क पार कर रहे युवक को कार ने रौंदा, मौत

संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा थाना क्षेत्र के बाजारडीह में सोमवार को एक बड़ा दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खराब होने पर अपना ट्रैक्टर किनारे खड़ी कर सड़क पार कर रहे एक 25 वर्षीय युवक को तेज रफ्तार रही कार ने जोरदार ठोकर मार दी। इस हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद कोहराम मच गया है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के सैलदह उर्फ कलवदह निवासी नीरज यादव (25) पुत्र शुभनाथ यादव अपना ट्रैक्टर लेकर फरेंदा की ओर आ रहा था। जैसे ही वह बाजारडीह के पास पहुंचा कि अचानक ट्रैक्टर खराब हो गया। इसके बाद उसने ट्रैक्टर को सड़क के किनारे खड़ी की और खुद सड़क पार करने लगा। इसी दौरान सोनौली की तरहफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार ठोकर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की ठोकर इतनी तेज थी कि युवक उछलकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वह सड़क पर तड़पने लगा। वहीं, हादसे के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी अयोध्या जिला–अयोध्या
वाद सं. 4331/2022
चन्द्रिका प्रसाद
बनाम
उ0प्र0 राज्य सरकार व अन्य

बनाम–1– सीताराम पुत्र सम्पत्ति 2. सत्यनरायन पुत्र जगेसर 3. भानमती पत्नी राम प्रसाद 4. सीताराम पुत्र जगेसर 5. राजपती दाया रामभवन 6. प्रदीप कुमार पुत्र अम्बिका प्रसाद 7. रामलली पत्नी अम्बिका प्रसाद समस्त निवासीगण ग्राम विनायकपुर परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जिला अयोध्या

तारीख पेशी 28–04–2026

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 04 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी। द0 हाकिम

भूसा मशीन से निकली चिंगारी, किसानों की 15 बीघा पराली जलकर राख

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। भूसा बनाते समय मशीन से निकली चिंगारी से गेहूं की पराली में आग लग गई। आग की लपटें देख ग्रामीण सहम गए, जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक खेतों में बनाया हुआ भूसा के साथ ही करीब 15 बीघा पराली जलकर राख हो गई। सम्मनपुर के मलपुरा सतरही गांव में अपराह्न करीब चार बजे एक खेत में भूसा बनाते समय मशीन से निकली चिंगारी से आग लग गई। जब तक आग खेतों में फैलती इससे पहले ही चालक मशीन लेकर सुरक्षित स्थान पर चला गया। तेज हवा के झोंकों से आग फैलती गई। और देखते ही देखते बड़े क्षेत्रफल को अपनी चपेट में ले लिया। हल्ला गुहार पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। लेकिन तेज हवा के झोंकों के आगे उनके प्रयास बेकार साबित हो रहे थे। आग की लपटें सुल्तानपुर तुलसीपुर गांव के करीब तक पहुंच गई। इस बीच सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

व्यापारी से लूट का भाई ही निकला मास्टरमाइंड, हायर किए थे गुंडे, हकीकत सुन हक्काबक्का रह गए घरवाले

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जहांगीरगंज इलाके में व्यापारी रईस अहमद व मोहम्मद जलाल के साथ हुई लूट की घटना में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में पीड़ित मोहम्मद जलाल का भाई शाहिद ही इस पूरे लूटकांड का मास्टरमाइंड निकला।

एएसपी श्यामदेव ने बताया कि शाहिद ने शातिर बदमाशों के साथ मिलकर घटना की पूरी साजिश रची थी। लुटेरों को निर्देश दिया था कि वारदात के दौरान किसी को शारीरिक नुकसान न पहुंचाया जाए। सिर्फ लूट को अंजाम दिया जाए। इस साजिश में आधा दर्जन से अधिक लोग शामिल थे।

पुलिस के मुताबिक, लूट की घटना में बसखारी बाजार निवासी आयुष की कार का इस्तेमाल किया गया। वहीं, अतरौलिया थाना क्षेत्र के दुराज गांव निवासी मनीष वर्मा के घर पर लूटी गई रकम का बंटवारा किया गया। इसके अलावा अतरौलिया थाना क्षेत्र के अतरेठ गांव निवासी अभिषेक ने घटना के बाद बदमाशों को वाहन से भागने में सहयोग किया।

जांच में यह भी सामने आया है कि शाहिद ने करीब एक सप्ताह पहले से ही पूरी प्लानिंग कर ली थी। जब व्यापारी रईस अहमद और मोहम्मद जलाल बकाया रकम की वसूली के लिए बिहार रवाना हुए उसी समय से उसने लुटेरों को सक्रिय कर दिया। घटना के करीब 15 मिनट बाद ही शाहिद बिना किसी को जानकारी दिए अपने भाई जमाल और व्यापारी रईस से मिलने घटनास्थल पर पहुंच गया। इससे पुलिस का शक गहराया था।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ीं और इस साजिश का खुलासा किया। मामले में पुलिस ने शाहिद के अलावा अरमान, आयुष, अभिनंदन, अभिषेक और मनीष वर्मा को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूट के 5.45 लाख रुपये, एक तमंचा व दो कारें बरामद की हैं। तीन अन्य की तलाश की जा रही है।

वाहन हटाने को लेकर मारपीट, थाने में हंगामा

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के रानीडीहा में रविवार रात करीब नौ बजे वाहन पार्किंग को लेकर मारपीट हो गई। डॉक्टर से विवाद करने के बाद बाइक सवार थाने पहुंच गए और हंगामा करने लगे। आरोप है कि पुलिस ने पिटाई कर दी। एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर तीन युवकों का शांतिभंग में चालान कर दिया। जानकारी के मुताबिक, रानीडीहा में डॉ. मनोज यादव की क्लीनिक है। यहीं पर जैपटो का गोदाम भी है। डॉक्टर की कार को लेकर बाइक सवार युवक से विवाद हो गया, जिसके बाद जैपटो वाले अन्य युवक भी आ गए। आरोप है कि डॉक्टर से उलझे युवकों ने कार के पीछे का लाइट फोड़ दिया और फिर मारपीट हो गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और थाने पर दोनों पक्ष को बुलाया गया। बातचीत के दौरान ही कुछ युवक पर पुलिस पर जातीय का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। पुलिस के समझाने पर बात बढ़ने लगा और फिर हंगामा बढ़ गया। आरोप है कि पुलिस ने मौजूद लोगों की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान लाइट भी बंद कर दिया गया था, जिस वजह से वीडियो में अंधेरा आ रहा है। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पर लगे आरोपों की जांच कराई जा रही है।

रेलवे ने 4 समर स्पेशल ट्रेनों का ऐलान किया

संवाददाता–गोरखपुर। गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे ने दो जोड़ी (कुल 4) ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों के संचालन का ऐलान किया है। पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के सीपीआरओ सुमित कुमार के मुताबिक, इन ट्रेनों के चलने से खासतौर पर यूपी और बिहार के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। पहली ट्रेन 05064/05063 गोमती नगर–कोलकाता समर स्पेशल है, जो गोरखपुर के रास्ते चलेगी। यह ट्रेन 22 और 29 अप्रैल 2026 को गोमती नगर से तथा 23 और 30 अप्रैल को कोलकाता से दो–दो फेरों में संचालित होगी। गोमती नगर से यह ट्रेन सुबह 08:40 बजे रवाना होकर गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, हाजीपुर, बरौनी, झाझा, आसनसोल और बर्द्धमान होते हुए अगले दिन दोपहर 1:10 बजे कोलकाता पहुंचेगी। वापसी में कोलकाता से यह ट्रेन 15:20 बजे चलकर अगले दिन शाम 6:30 बजे गोमती नगर पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 19 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें जनरल, स्लीपर और एसी थर्ड क्लास शामिल हैं।

दूसरी ट्रेन 09091/09092 उधना–जयनगर अनारक्षित समर स्पेशल है, जो गोरखपुर के रास्ते चलेगी। ट्रेन 09091 उधना–जयनगर स्पेशल 19 अप्रैल 2026 को उधना से रात

9:40 बजे रवाना होकर वडोदरा, कोटा, आगरा, कानपुर, गोंडा और गोरखपुर होते हुए तीसरे दिन शाम 7 बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 09092 जयनगर–उधना स्पेशल 22 अप्रैल को शाम 5 बजे जयनगर से चलकर गोरखपुर, कानपुर, आगरा, कोटा और वडोदरा के रास्ते तीसरे दिन दोपहर 12:30 बजे उधना पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे और सभी कोच अनारक्षित श्रेणी के होंगे। रेलवे के अनुसार, इन समर स्पेशल ट्रेनों के संचालन से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी और भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। वहीं दूसरी तरफ समर वेकेशन के दौरान यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय ने दिलदारनगर जंक्शन पर दो नई समर स्पेशल ट्रेनों के ठहराव को मंजूरी दी है। इसके साथ ही अब स्टेशन पर कुल चार विशेष ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित हो गया है, जिससे यात्रियों, व्यापारियों और रेल उपभोक्ताओं में खुशी है। नई दिल्ली–दानापुर आरक्षित स्पेशल ट्रेन (संख्या 04088) डाउन दिशा में नई दिल्ली से शाम 3:50 बजे चलकर टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन होते हुए सुबह 9:42 बजे दिलदारनगर जंक्शन पहुंचेगी।

यहां से होकर यह ट्रेन बक्सर, रघुनाथपुर और आरा के रास्ते 12:45 बजे दानापुर पहुंचेगी। वहीं अप दिशा में ट्रेन संख्या 04087 दानापुर से 3:10 बजे प्रस्थान कर 15/15 बजे दिलदारनगर जंक्शन पहुंचेगी और आगे नई दिल्ली के लिए रवाना होगी। इसके अलावा मदार–अजमेर–पटना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (संख्या 09601/09602) का भी ठहराव यहां किया गया है। ट्रेन संख्या 09601, 23 अप्रैल से 9 जुलाई तक कुल 12 फेरे लगाएगी और मदार से चलकर शाम 3:45 बजे दिलदारनगर पहुंचेगी। वहीं 09602 ट्रेन 24 अप्रैल से 10 जुलाई तक पटना से चलकर 12:43 बजे दिलदारनगर पहुंचेगी।

लूट व हमले के मामले पर सपा का प्रदर्शन, पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल थाना क्षेत्र में विद्यालय प्रबंधक और उनके भाइयों पर हुए जानलेवा हमले व लूटपाट के मामले में कार्रवाई न होने से नाराज समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। यह घटना 15 अप्रैल को हुई थी, जब टोटहा गांव निवासी सुरेश चंद यादव अपने भाइयों उमेश यादव और अशोक यादव के साथ जमीन की रजिस्ट्री कराकर लौट रहे थे। आरोप है कि विसौवा चौराहे के पास पहले से घात लगाए बैठे तीन बदमाशों ने लोहे के औजार और पंच से हमला कर दिया, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावरों ने कथित तौर पर 85 हजार नकद लूट लिए और फरार होने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने दो आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि थाने में तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने लूट की घटना हटाने का दबाव बनाया। साथ ही डराने–धमकाने और उल्टे मुकदमे में फंसाने की बात कही गई। कई दिन बीतने के बावजूद लूट का मुकदमा दर्ज न होने से पीड़ित पक्ष नाराज है। सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अब्दुल कलाम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सपा नेताओं का आरोप है कि पार्टी नेता सुनील सिंह की अपर पुलिस अधीक्षक से बातचीत के दौरान अभद्रता और धमकी दी गई।

सपाइयों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर संबंधित अपर पुलिस अधीक्षक के खिलाफ विभागीय जांच, जांच पूरी होने तक हटाने और दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई की मांग की। इस पर जिलाधिकारी ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। सपा नेताओं ने पुलिस पर पक्षपात और राजनीतिक विद्वेष का आरोप लगाया है, जबकि प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रदर्शन में पूर्व जिला अध्यक्ष लोरिक यादव, जयराम पांडेय, पूर्व विधायक विजय बहादुर यादव, विनोद यादव, सुबोध चंद्र यादव समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लेखन, कविता और पोस्टर प्रतियोगिता में लड़कियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के तहत 16 अप्रैल से शुरू हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन सोमवार को माध्यमिक विद्यालयों में वाद विवाद एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का भावी पीढ़ी पर प्रभाव अथवा विकसित भारत 2047 में नारी की भूमिका था। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की तरफ से इस संबंध में आदेश जारी किए गए थे। जिसके क्रम में सोमवार को अंतिम दिन वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही सशक्त नारी समृद्ध भारत विषय पर निबन्ध, स्वरचित कविता एवं पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिन विद्यालयों में इसका कार्यक्रम किया गया उसमें प्रमुख रूप से बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर, गांधी स्मारक इंटर कॉलेज राजेसुल्तानपुर, रामबाबा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, राम अवध जनता इंटर कॉलेज बरियावन, नरेंद्र देव इंटर कॉलेज जलालपुर, मिश्रीलाल आर्य कन्या इंटर कॉलेज टांडा, जीजीआईसी कुर्की बाजार, जीजीआईसी अकबरपुर, जीआईसी अकबरपुर, रामदेव जनता इंटर कॉलेज समेत अन्य विद्यालयों में कार्यक्रम के आयोजन किए गए। इससे पहले दो दिनों में नारी शक्ति मानव श्रृंखला बनाई गई। 17 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी और एनएसएस की छात्राओं ने हिस्सा लिया और रैली निकालकर विचार और आत्मसुरक्षा से संबंधित ड्रिल का प्रदर्शन किया। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से लड़कियों के अंदर जागरूकता आएगी।

झंगहा क्षेत्र में युवक ने पेड़ पर लगाई फांसी

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र के नई बाजार में सोमवार सुबह एक युवक ने पेड़ से लटककर जान दे दी। घटना सावित्री इंडेन ग्रामीण गैस वितरण केंद्र के परिसर की है, जहां ब्रह्मपुर गांव के टोला हरिलवा निवासी 22 वर्षीय आदित्य (पुत्र चंदन) का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अनूप सिंह मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक नशे का आदी बताया जा रहा है और पिछले कुछ दिनों से घर में विवाद चल रहा था। सोमवार सुबह भी घर में कहासुनी हुई थी, जिसके बाद उसकी मां उसे लेकर नई बाजार पुलिस चौकी जा रही थी। इसी दौरान युवक रास्ते में अचानक गायब हो गया। कुछ देर बाद उसका शव गैस एजेंसी परिसर में पेड़ से लटका मिला। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आत्महत्या के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

वाद सं0–792/2025

धारा 204 C.H.ACT

अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

चन्द्र प्रकाश

बनाम

सरकार

1. शान्ती देवी पत्नी इन्द्रदेव 2. उदयशंकर पुत्र चन्द्रशेखर 3. कृष्ण कुमार 4. अशोक कुमार पुत्रगण गिरीश चन्द्र ग्राम वालेडीहा तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 5. ग्राम पंचायत केउवाँ जप्ती तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 27–04–2026

अपील बनराजी के अदालत सी0ओ0 मुण्डेरवा मुकाम बस्ती

मयरिखा 05 महीना 08 सन् 2025 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 04 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 18 माह 04 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान अतिरिक्त अधिकारी प्रथम बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–

धारा 144 उ0प्र0रा0 संहिता–2006

फूलचन्द्र

बनाम

ग्रामसभा हथियांव कला आदि

1. ग्रामसभा हथियांव कला जरिये प्रधान मौजा हथियांव कला तप्पा जगरनाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. उत्तर प्रदेश सरकार जरिये कलेक्टर महोदय बस्ती 3. सूरसती पुत्री रामहरख साकिन हथियांव कला तप्पा जगरनाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो सके कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सीएम योगी 23 को करेंगे रिंग रोड और इको पार्क का लोकार्पण

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 अप्रैल को गोरखपुरवासियों को एकला बांध रिंग रोड और इको पार्क का तोहफा देंगे। सीएम राप्ती तट रीवर फ्रंट पर विकसित इको पार्क में 131 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज को फहराएंगे। इसी के साथ स्वच्छ स्कूल कैम्पेन 2027 की लॉचिंग कर बुकलेट और टूलकीट का विमोचन करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय से लोकार्पण समारोह की हरी झंडी मिलने के बाद नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल अपनी टीम के साथ एकला बांध पहुंच गए। सोगवाल ने निर्माण कार्यों को निरीक्षण कर मजदूरों की संख्या बढ़ाने और रात दिन की शिफ्ट लगा कर 22 अप्रैल तक सभी कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। प्रवेश द्वार दो शेरों की मूर्तियां लगाने, बांध के डिवाइडर पर रेलिंग व ट्री–गार्ड लगा कर छायादार वृक्ष लगाने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने 131 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज के लिए बनाए गए फाउंडेशन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रिंग रोड का निरीक्षण कर सफाई कराने के निर्देश दिए। इको पार्क में आर्टिफिशियल तालाब निर्माण, बच्चों के लिए बोटिंग की सुविधा, झूले व अन्य मनोरंजन उपकरण संबंधी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। पार्क में विभिन्न स्थानों पर लान, पौधरोपण करने, 'वेस्ट वंडर' और मार्बल की मूर्तियां स्थापित करने के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। एकला रिंग रोड पर त्वरित विकास परियोजना से तकरीबन 18 करोड़ रुपये, इको पार्क का निर्माण 05 करोड़ रुपये व प्रवेश द्वार निर्माण पर 50 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

पंचायतों में प्रशासनिक हलचल तेज: 25 मई तक विकास कार्य पूरे करने के निर्देश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो रहा है। इसे देखते हुए पंचायतों में अधूरे विकास कार्य, लंबित भुगतान और संभावित वित्तीय विवादों को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने सभी ग्राम प्रधानों, ग्राम पंचायत सचिवों और संबंधित अधिकारियों को 25 मई तक स्वीकृत विकास कार्य पूर्ण कराने तथा भुगतान संबंधी मामलों का समय रहते निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा ने स्पष्ट किया है कि ग्राम पंचायतों में केवल वही कार्य कराए जाएं, जिनके लिए पंचायत खातों में धनराशि उपलब्ध है। बिना बजट अथवा उपलब्ध राशि से अधिक कार्य कराए जाने की स्थिति में उत्पन्न होने वाले विवादों की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों पर तय की जाएगी। प्रशासन ने भुगतान विवादों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। डीपीआरओ ने चेतावनी दी है कि यदि ग्राम पंचायत खातों में उपलब्ध धनराशि से अधिक कार्य कराया गया या भुगतान को लेकर किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हुआ तो संबंधित ग्राम पंचायत सचिव व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इसे लेकर पंचायत स्तर पर वित्तीय अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। निर्देशों में ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक और संबंधित कर्मचारियों के समन्वय से लंबित कार्यों और अभिलेखों के निस्तारण पर भी बल दिया गया है, ताकि कार्यकाल समाप्ति के बाद शिकायत, बकाया भुगतान या विवाद जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

प्रशासनिक सख्ती के बाद जनपद की पंचायतों में हलचल तेज हो गई है। कई ग्राम पंचायतों में अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कराने और लंबित भुगतान निपटाने की कवायद शुरू हो गई है। सचिवों और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच बैठकों का दौर भी तेज हो गया है, जिससे कार्यकाल समाप्ति से पहले सभी विकास कार्य, भुगतान प्रक्रिया और अभिलेखीय औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।

तेज रफ्तार पिकअप टैंकर में घुसी शादी से पहले युवक की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले में अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के औरंगनगर पहितीपुर निवासी पिकअप चालक की सोमवार भोर में सड़क हादसे में मौत हो गई। पिकअप चालक गांव से सब्जी लेकर थोक मंडी जा रहा था। मृतक मनोज यादव (26) की शादी महज पांच दिन बाद होने वाली थी। इस घटना के बाद परिवार में छाई खुशियां मातम में बदल गई। मनोज यादव पुत्र नरसिंह यादव पिकअप चालक था। प्रतिदिन की तरह सोमवार की सुबह लगभग साढ़े चार बजे गांव के काश्तकारों से सब्जियां लेकर शहजादपुर सब्जी मंडी सिझौली के लिए निकला था। अकबरपुर सुल्तानपुर रोड पर कसेरुआ गांव के पास उसकी पिकअप यूपी 45 एटी 2610 तेज रफ्तार में जा रही थी। बताया जाता है कि अचानक आगे चल रहे फ्यूल टैंकर ने ब्रेक लगा दी, जिससे पिकअप अनियंत्रित होकर सीधे टैंकर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह उखड़ गया। सड़क हादसे में मनोज केबिन में फंसकर बुरी तरह कुचल गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अकबरपुर कोतवाली श्रीनिवास पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से काफी प्रयास के बावजूद मृतक चालक के शव को बाहर नहीं निकाला जा सका। इसके बाद जेसीबी मंगाकर पिकअप की बॉडी को काटा गया। जिसके बाद करीब 45 मिनट बाद शव बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शुक्र है कि दुर्घटना के बाद टैंकर का कोई हिस्सा नहीं टूटा अन्यथा भयंकर विस्फोट होने की संभावना थी। जिससे बड़ी घटना हो सकती थी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मकसूद पुत्र मो0 रफीक ग्राम– छपिया मंझरिया पोस्ट– मुण्डेरवा जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम मकसूद आलम हो गया है जो गलत है। आधारकार्ड में भी मेरा नाम मकसूद है। मकसूद और मकसूद आलम दोनों नाम मेरा है। ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम मकसूद कराया जाय।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा क्लाइंट आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि० शाखा बस्ती ब्रान्च आफिस प्रथम तल, मकान संख्या–1323, मोहल्ला – पिकौरा शिव गुलाम, कटेश्वर पार्क के पास गाँधी नगर, बस्ती 272001 उ० प्र० की तरफ से सूचित किया जाता है, कि सोनम त्रिपाठी पत्नी अमित कुमार मिश्रा, जयपुरवा निकट शिवाय होटल, गाँधी नगर, अमहुत बस्ती उ० प्र० 272001 ने एक बैनामा 671.5 वर्ग फीट का स्थित गाटा सं०–240 ब, मौजा – रूधौली तप्पा –पड़िया परगना – बस्ती पूरब त० –बस्ती, जनपद बस्ती जिसकी चौहद्दी – पूरब में जमीन कामता प्रसाद, आदि, पश्चिम में N.H. 28, उत्तर मे जमीन लालमन आदि, दक्षिण में जमीन मुकिर, इसको बंधक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति मे आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी के उपरोक्त संस्था को बंधक रखने मे कोई आपत्ति नहीं है।

(प्रग्यांशु शुक्ला एडवोकेट)

L.G.F. – 011, निचली भूतल, A1 बिल्डिंग, ब्लाक–A, सेक्टर–59, नोएडा उ0प्र0– पिन कोड–201301

मो0–8920298602

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

सिविल निगरानी सं0–66/2025

अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अवधेश सिंह आदि

बनाम

सरजू प्रसाद सिंह आदि

1. सरजू प्रसाद सिंह उम्र करीब 69 साल 2. राम हरख सिंह उम्र करीब 59 साल 3. बीरभद्र सिंह उम्र करीब 51 साल पुत्रगण मनोराम सिंह साकिनान मौजा बढ़या तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

4. अखिलेश सिंह उम्र करीब 46 साल 5. शतेन्द्र सिंह उम्र करीब 42 साल पुत्रगण कपिल देव सिंह साकिनान मौजा बढ़या तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15–05–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

उत्तराधिकार वाद सं0 479/2025

सुनीता देवी–सायल

1. सुनीता देवी उम्र लगभग 43 वर्ष पत्नी चन्द्र प्रकाश साकिन तेनुआ तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–04–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–04–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–240/2025

जियालाल

बनाम

मेवालाल

1. मेवालाल उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र बंशी पेशा खेती ग्राम भेड़वा तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 07–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो सके कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com